तीन अलग जॉनर, एक ही स्टार आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना वर्ष 2026 की अपनी शानदार थिएट्रिकल लाइन-अप के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी हिट रन को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं!'

आयुष्मान खुराना की तीन अलग-अलग तरह की फिल्में वर्ष 2026 में रिलीज़ होने वाली हैं. इनमें भूषण कुमार और जूनो चोपड़ा की 'पति पत्नी और वो दो', करण जौहर द्वारा निर्मित 'उड़ता तीर' और सूरज बड़जात्या की 'यह प्रेम मोल लिया' शामिल है. इस लाइन-अप की खास बात सिर्फ अलग-अलग जॉनर नहीं है, बल्कि एक जैसी सोच और आवाज़ भी है .ऐसी कहानियां जो सहज, जुड़ी हुई और रोज़मर्रा की भावनाओं से प्रेरित हैं. वर्षों से, आयुष्मान ने ऐसे कंटेंट को चुनने की पहचान बनाई है जो मनोरंजन और मौलिकता के बीच संतुलन बनाए रखता है, और यह नई लाइन-अप उसी दिशा को आगे बढ़ाती है.

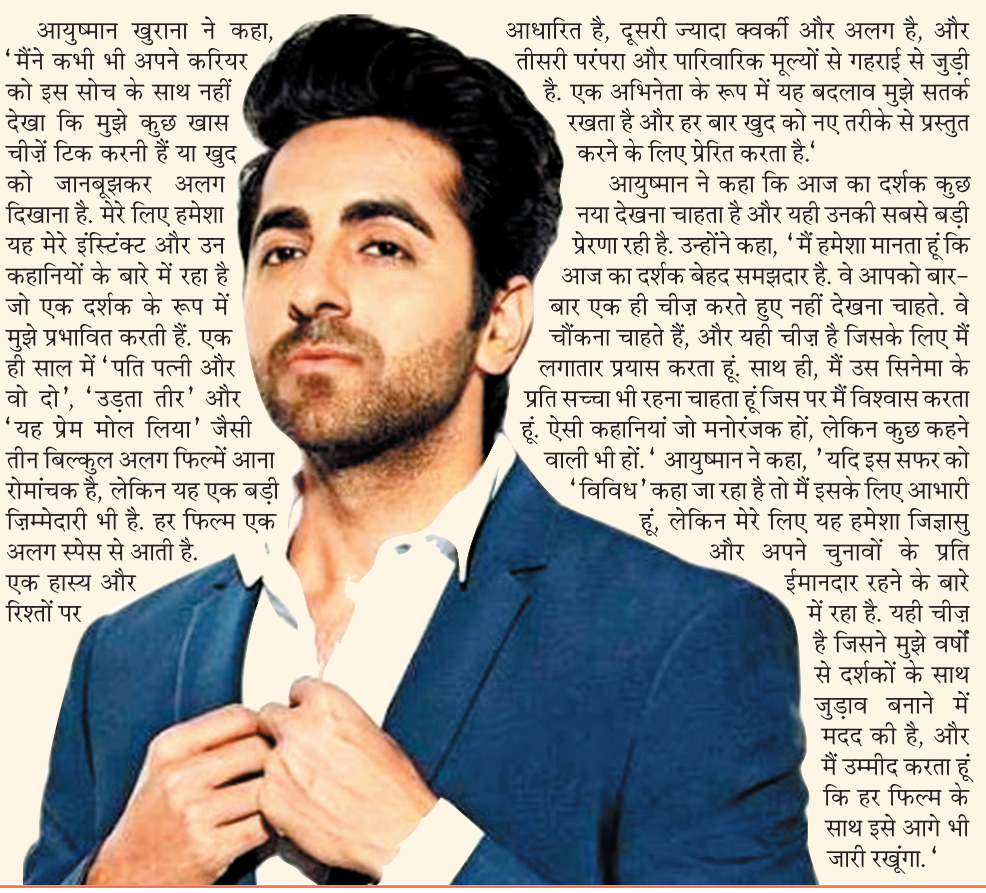

आयुष्मान खुराना ने कहा, 'मैंने कभी भी अपने करियर को इस सोच के साथ नहीं देखा कि मुझे कुछ खास चीज़ें टिक करनी हैं या खुद को जानबूझकर अलग दिखाना है. मेरे लिए हमेशा यह मेरे इंस्टिंक्ट और उन कहानियों के बारे में रहा है जो एक दर्शक के रूप में मुझे प्रभावित करती हैं. एक ही साल में 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' और 'यह प्रेम मोल लिया' जैसी तीन बिल्कुल अलग फिल्में आना रोमांचक है, लेकिन यह एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी है. हर फिल्म एक अलग स्पेस से आती है. एक हास्य और रिश्तों पर आधारित है, दूसरी ज्यादा क्वर्की और अलग है, और तीसरी परंपरा और पारिवारिक मूल्यों से गहराई से जुड़ी है. एक अभिनेता के रूप में यह बदलाव मुझे सतर्क रखता है और हर बार खुद को नए तरीके से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करता है.'

आयुष्मान ने कहा कि आज का दर्शक कुछ नया देखना चाहता है और यही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा रही है. उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा मानता हूं कि आज का दर्शक बेहद समझदार है. वे आपको बार-बार एक ही चीज़ करते हुए नहीं देखना चाहते. वे चौंकना चाहते हैं, और यही चीज़ है जिसके लिए मैं लगातार प्रयास करता हूं. साथ ही, मैं उस सिनेमा के प्रति सच्चा भी रहना चाहता हूं जिस पर मैं विश्वास करता हूं. ऐसी कहानियां जो मनोरंजक हों, लेकिन कुछ कहने वाली भी हों.' आयुष्मान ने कहा, 'यदि इस सफर को 'विविध' कहा जा रहा है तो मैं इसके लिए आभारी हूं, लेकिन मेरे लिए यह हमेशा जिज्ञासु और अपने चुनावों के प्रति ईमानदार रहने के बारे में रहा है. यही चीज़ है जिसने मुझे वर्षों से दर्शकों के साथ जुड़ाव बनाने में मदद की है, और मैं उम्मीद करता हूं कि हर फिल्म के साथ इसे आगे भी जारी रखूंगा.'

'जगद्धात्री' में अनोखी लव स्टोरी का इशारा

ज़ी टीवी का शो 'जगद्धात्री' अपनी अलग और दमदार कहानी के चलते दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है. यह शो एक ऐसी महिला की दोहरी ज़िंदगी को दिखाता है, जो घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ एक निडर पुलिस ऑफिसर की ड्यूटी भी निभाती है.

इसी मजबूत और परतदार किरदार ने जगद्धात्री का किरदार निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा के सफर को दर्शकों के लिए बेहद खास और दिलचस्प बना दिया है. हाल के एपिसोड्स में दर्शकों ने एक बड़ा मोड़ देखा, जब रुद्र ने शिवाय को गोली मार दी और उसकी जान खतरे में पड़ गई. इस घटना का जगद्धात्री पर गहरा असर पड़ा और वह उसके लिए बेहद परेशान हो गई.

शिवाय हमेशा उसके सबसे बड़े सहारे की तरह रहा है, जो हर मोड़ पर उसके साथ खड़ा रहा, उसे हिम्मत देता रहा और हर वक्त उसका साथ निभाता रहा.

'एक दिन' का म्यूजिकल धमाका मुंबई में

आमिर खान प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एक दिन' के लिये 26 अप्रैल को मुंबई में खास म्यूज़िकल इवेंट आयोजित किया जायेगा.

इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान की जोड़ी नजर आने वाली है. ट्रेलर और गानों की झलक सामने आने के बाद से ही फिल्म ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. इसकी सादगी भरी कहानी और संगीत की झलक ने इसे पहले ही चर्चा में ला दिया है.इसी उत्साह को और बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने एक खास म्यूज़िकल इवेंट 'एक दिन की महफ़िल' आयोजित करने का फैसला किया है. इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार ,यह विशेष कार्यक्रम 26 अप्रैल को मुंबई के एसएनडीटी कॉलेज, सांताक्रूज़ में आयोजित किया जाएगा. यह केवल एक प्रमोशनल इवेंट नहीं, बल्कि फिल्म के संगीत और उसकी भावनात्मक दुनिया को करीब से महसूस करने का एक अनोखा अवसर भी होगा.इस खास शाम में फिल्म के गानों को लाइव परफॉर्मेंस के जरिए पेश किया जाएगा, जिससे दर्शकों को एक अंतरंग और यादगार अनुभव मिलने की उम्मीद है.

इस इवेंट में आमिर खान, साई पल्लवी, जुनैद खान और फिल्म के संगीतकार राम संपत जैसे प्रमुख नामों के शामिल होने की संभावना है. उनकी मौजूदगी इस शाम को और भी खास बनाएगी, जहां संगीत और भावनाएं एक साथ मंच पर जीवंत होती नजर आएंगी.

'एक दिन' की एक और खास बात यह है कि इसके साथ आमिर खान और निर्देशक मंसूर खान की चर्चित जोड़ी एक बार फिर साथ काम कर रही है. इससे पहले यह जोड़ी 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी यादगार फिल्में दे चुकी है. ऐसे में दोनों का दोबारा साथ आना फैंस के लिए बेहद खास माना जा रहा है.

टेलीविजन हलचल

'बॉस लेडी' अवतार में सारा : भूमिका गुरुंग

अभिनेत्री भूमिका गुरुंग ने बताया है कि सोनी सब के शो इत्ती सी खुशी में सारा सेठी के किरदार के लिये जब उन्हें अप्रोच किया गया, तो सबसे पहले उन्हें उसकी 'बॉस लेडी' एनर्जी ने उन्हें आकर्षित किया. सोनी सब का शो इत्ती सी खुशी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है, जहाँ विराट (रजत वर्मा) और अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) का रिश्ता मजबूत होता जा रहा है. इसी बीच सारा सेठी की एंट्री होती है. इस किरदार को भूमिका गुरुंग निभा रही हैं, जो कहानी में नया मोड़ ला रही है. आत्मविश्वासी और आकर्षक सारा का इरादा साफ है, वह विराट को अपने पक्ष में करना चाहती है और उसकी मौजूदगी धीरे-धीरे उनके रिश्ते को प्रभावित कर रही है, भावनाओं की परीक्षा ले रही है और समीकरण बदल रही है. भूमिका गुरुंग ने बताया कि कैसे उन्होंने सारा के जटिल मनोविज्ञान को समझते हुए इस किरदार को निभाया. उन्होंने साझा किया कि यह ग्रे-शेड वाला रोल क्यों खास है और स्क्रीन पर एक मज़बूत, बारीकियों से भरे निगेटिव किरदार को जीवंत करने का उनका अनुभव कैसा रहा .उन्होंने कहा, जब मुझे इस रोल के लिए अप्रोच किया गया, तो सबसे पहले सारा की 'बॉस लेडी' एनर्जी ने मुझे आकर्षित किया.

'तुम से तुम तक' में अंगद हसीजा की एंट्री

ज़ी टीवी का शो 'तुम से तुम तक', जो अपनी दिलचस्प कहानी और आर्या का किरदार निभा रहे शरद केलकर और अनु का किरदार निभा रहीं निहारिका चौकसे की बदलती कहानी के साथ दर्शकों का दिल जीत रहा है, अब एक नए मोड़ के लिए तैयार है. शो में एक अहम किरदार की एंट्री होने जा रही है, जो कहानी में नया रंग जोड़ेगा. एक्टर अंगद हसीजा अब यश वर्धन के किरदार में नजर आएंगे. यश वर्धन की एंट्री के साथ ही कहानी का माहौल बदलता नजर आएगा. गायत्री के बिछड़े बेटे के रूप में उसकी वापसी कई सवाल खड़े करती है और यह इशारा देती है कि अतीत की कुछ बातें अब फिर से सामने आने वाली हैं. उसके आने से कहानी में कई नए मोड़ और भावनाएं जुड़ती हैं. उसके इरादे क्या हैं और उसकी कहानी कितनी गहरी है, यह अभी पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन उसकी मौजूदगी धीरे-धीरे आसपास के लोगों की जिंदगी पर असर डालने लगती है. उसके किरदार में एक शांत लेकिन गहरी गंभीरता है, जो हर सीन के साथ और बढ़ती है और दर्शकों के मन में उत्सुकता बनाए रखती है.

'मटका किंग' को मिला स्टार सपोर्ट

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और अभिनेत्री प्रियंका शो ने वेबसीरीज मटका किंग की टीम को अपनी शुभकामनायें भेजी है.

प्राइम वीडियो की वेबसीरीज 'मटका किंग' ,1960 के दशक की मुंबई पर आधारित है. रिलीज के बाद से ही इस शो को जबरदस्त प्यार मिल रहा है. खुद महानायक अमिताभ बच्चन ने शो के लिए अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं और ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने भी पूरी टीम को बधाई दी है. इसके साथ ही बॉलीवुड के कई सिताारें ने मटका किंग की तारीफ की है.

राजकुमार हिरानी ने कहा कि यह 'वो कहानी है जिसे सुनकर हम सब बड़े हुए हैं' और वो 'मटका किंग देखने के लिए उत्सुक हैं.' वहीं रिया चक्रवर्ती ने इस हलचल को बस चार शब्दों में बयां कर दिया: 'मटका फैला दिया'. 'मटका किंग' विक्की कौशल की वॉचलिस्ट में भी अपनी जगह बना चुका है, आमिर खान का कहना है कि वो 'इस शो के बारे में सिर्फ अच्छी बातें ही सुन रहे हैं' और करण जौहर तो इसे पहले ही देख चुके हैं और इसे 'परफेक्ट बिंज' (एक बार में खत्म करने लायक) बता रहे हैं.

अभय कोरन्ने द्वारा रचित और लिखित, और नागराज पोपटराव मंजुले द्वारा निर्देशित, रचित और लिखित 'मटका किंग' में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर मुख्य भूमिकाओं में हैं.

लव लॉटरी में काम करेंगे अक्षय ओबेरॉय

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय फिल्म लव लॉटरी में काम करते नजर आयेंगे. यह फिल्म जेंडर से जुड़े जटिल मुद्दों को सामने लाती है और समाज में लंबे समय से बनी धारणाओं को चुनौती देती है.

एक प्रोग्रेसिव और सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्म के तौर पर, 'लव लॉटरी' एक अहम और कम चर्चा किए जाने वाले सवाल को उठाती है- क्या पुरुष भी पीड़ित हो सकते हैं? अपनी परतदार कहानी के ज़रिए यह फिल्म भावनात्मक कमज़ोरी, सामाजिक अपेक्षाओं और जेंडर के अलग-अलग अनुभवों को समझने की कोशिश करती है.

अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों के लिए जाने जाने वाले अक्षय इस बार एक ऐसे विषय को छू रहे हैं, जो संवेदनशील होने के साथ-साथ समाज के लिए बेहद प्रासंगिक भी है. फिल्म दर्शकों को एक संतुलित नज़रिया देने की कोशिश करती है, जिससे सहानुभूति और आत्ममंथन को बढ़ावा मिले.

अक्षय ओबेरॉय ने कहा, 'लव लॉटरी' की सबसे खास बात मेरे लिए यह थी कि यह फिल्म ऐसे सवाल पूछने की हिम्मत करती है, जो अक्सर लोगों को असहज कर देते हैं. आज के समय में जेंडर को लेकर बातचीत बदल रही है, लेकिन कई बार यह बातचीत एकतरफा या सीमित रह जाती है.

ओटीटी पर मिल रहे प्यार से खुश हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को ओटीटी पर मिल रहे दर्शकों के बेपनाह प्यार से बेहद खुश हैं. सिद्धांत चतुर्वेदी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक दिल से लिखा हुआ नोट शेयर किया है. इस नोट के ज़रिए सिद्धांत ने बताया है कि वह लगातार अपने डीएम, टैग्स और फैन एडिट्स देख रहे हैं और यह उनके लिए बेहद खूबसूरत एहसास है कि लोग इस कहानी से इतना गहरा जुड़ाव महसूस कर रहे हैं.

बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो के साथ उन्होंने लिखा है, 'प्यार परफेक्ट होने में नहीं... साथ निभाने में है, और प्यार की तलाश में, उस इंसान में अपने ही टूटे हुए हिस्से को ढूंढ लेना... जो आपकी तरह ही अधूरा है, लेकिन फिर भी उसमें आपको सिर्फ रोशनी दिखती है, तो यह खूबसूरत एहसास है. हमारी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में शशांक और रोशनी दोनों अपनी-अपनी कमियों के साथ जी रहे हैं, बिना यह जाने कि उन्हें स्वीकार किया जाएगा या नहीं... थोड़े खोए हुए, थोड़े लेटलतीफ़, प्यार की भाषा को लेकर थोड़े अनजान.

मेटा का नया एआई डेटा संग्रह

टेक कंपनी मेटा ने अपने अमेरिका स्थित कर्मचारियों के कंप्यूटर पर एक नया ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर लगाने की योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल्स के प्रशिक्षण के लिए डेटा इकट्ठा करना है. इस सॉफ्टवेयर के जरिए कर्मचारियों के माउस मूवमेंट, क्लिक और कीबोर्ड पर टाइपिंग (कीस्ट्रोक्स) को रिकॉर्ड किया जाएगा, ताकि एआई सिस्टम को यह सिखाया जा सके कि वास्तविक कार्य वातावरण में लोग कंप्यूटर का उपयोग कैसे करते हैं.

कंपनी के अनुसार, यह टूल केवल काम से जुड़े एप्लिकेशन और वेबसाइटों पर ही सक्रिय रहेगा और कभी-कभी स्क्रीन पर दिखाई देने वाली सामग्री के स्नैपशॉट भी लेगा, जिससे एआई को संदर्भ (कॉन्टेक्स्ट) समझने में मदद मिलेगी. एक आंतरिक नोट में बताया गया कि इसका उद्देश्य उन क्षेत्रों में सुधार करना है जहां एआई अभी कमजोर है, जैसे ड्रॉपडाउन मेनू चुनना और कीबोर्ड शॉर्टकट का उपयोग करना.

मेटा का कहना है कि यह प्रक्रिया केवल एआई मॉडल को बेहतर बनाने के लिए है और इसका उपयोग कर्मचारियों के प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए नहीं किया जाएगा. कंपनी के प्रवक्ता एंडी स्टोन ने स्पष्ट किया कि एकत्र किया गया डेटा केवल मॉडल प्रशिक्षण के लिए उपयोग होगा और संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए गए हैं.

मेटा के अनुसार, अगर भविष्य में ऐसे एआई एजेंट विकसित करने हैं जो कंप्यूटर पर रोजमर्रा के काम खुद कर सकें, तो उन्हें वास्तविक उपयोग के उदाहरणों की जरूरत होगी, जैसे माउस मूवमेंट, बटन क्लिक करना और मेनू नेविगेशन. इसी वजह से यह नया आंतरिक टूल लाया जा रहा है, ताकि एआई सिस्टम को और अधिक प्रभावी

चंद्र शासनः बहुपक्षीय व्यवस्था की जरूरत

हाल ही में नासा के आर्टेमिस 2 मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा के पास से गुजरते हुए पृथ्वी के उगने का अद्भुत दृश्य कैद किया, जिसे 'अर्थसेट' कहा गया. यह घटना वैज्ञानिक उपलब्धि का प्रतीक है, लेकिन इसके साथ ही वैश्विक राजनीति और नैतिकता पर भी सवाल उठाती है. इतिहास में भी ऐसा विरोधाभास देखा गया था, जब नासा के अपोलो 8 मिशन ने प्रसिद्ध 'अर्थराइज' तस्वीर ली थी, उसी समय वियतनाम में माई लाई नरसंहार जैसी दुखद घटना हुई थी.

इसी तरह, हाल के समय में जब आर्टेमिस 2 मिशन चर्चा में है, उसी दौरान अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में एक प्राथमिक स्कूल पर हमला हुआ, जिसमें कई बच्चों की जान गई. रिफ्यूजीज इंटरनेशनल के अध्यक्ष ने इसे माई लाई के बाद अमेरिकी हमले में बच्चों की सबसे बड़ी मौतों में से एक बताया है.

यह स्थिति इस बात को उजागर करती है कि एक ओर जहां अंतरिक्ष में मानव उपलब्धियों का जश्न मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर धरती पर मानवाधिकारों और

अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन हो रहा है.

वाशिंगटन में प्रशासन द्वारा प्रवासियों के कानूनी संरक्षण को कमजोर करना, व्यापार कानूनों के खिलाफ टैरिफ लगाना और गाजा में सैन्य कार्रवाई का समर्थन करना, जिनकी जांच अंतरराष्ट्रीय न्यायालय द्वारा जनसंहार के आरोपों में की जा रही है, यह दर्शाता है कि वैश्विक नेतृत्व में संतुलन की कमी है. ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि चंद्रमा और अंतरिक्ष से जुड़े मामलों का शासन किसी एक देश के हाथ में न होकर बहुपक्षीय यानी कई देशों की भागीदारी से हो, ताकि अंतरिक्ष का उपयोग शांति, सहयोग और मानवता के हित में किया जा सके.

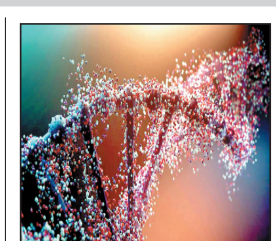

पेरिफेरल न्यूरोपैथी : चुनिंदा म्यूटेशन ही क्यों बनते हैं खतरा

पेरिफेरल न्यूरोपैथी (आईपीएन) एक गंभीर आनुवंशिक बीमारी है जो लगभग हर 2500 में से 1 व्यक्ति को प्रभावित करती है और इसमें नसों को नुकसान होने के कारण शरीर की कार्यक्षमता धीरे-धीरे कम हो जाती है. जब कोई जीन व्यक्त होता है, तो उसके डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल) का क्रम पहले एमआरएनए (मैसेंजर आरएनए) में कॉपी होता है, जिससे प्रोटीन बनते हैं और यही प्रक्रिया शरीर के सही कामकाज के लिए जरूरी होती है.

इस बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति में पैरों में ऊंचा आर्च बन जाना, उंगलियों का मुड़ जाना, पिंडलियों का पतला होना और चलते समय असंतुलन जैसी समस्याएं दिखाई देती हैं, साथ ही समय के साथ हाथों की उंगलियां पंजे जैसी मुड़ सकती हैं और संवेदना कम होने के कारण छोटी चोटों का भी एहसास नहीं होता, कुछ मामलों में रीढ़ की हड्डी भी टेढ़ी हो सकती है. वैज्ञानिकों ने पाया है कि 100 से अधिक जीन में म्यूटेशन आईपीएन का कारण बन सकते हैं, जिनमें 37 जीन ऐसे होते हैं जो एमिनोएसिल-टीआरएनए सिंथेटेस (एआरएस) नामक एंजाइम बनाते हैं, लेकिन इनमें से केवल 7 जीन के कुछ विशेष म्यूटेशन ही इस बीमारी को उत्पन्न करते हैं जबकि बाकी म्यूटेशन हानिकारक नहीं होते. यह तथ्य दर्शाता है कि हर जीन म्यूटेशन खतरनाक नहीं होता और वैज्ञानिक अब यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि आखिर क्यों केवल कुछ विशेष म्यूटेशन ही बीमारी का कारण बनते हैं, जिससे भविष्य में बेहतर इलाज और सही समय पर निदान की संभावना बढ़ सकती है.

मोटोरोला का नया प्रीमियम फोन

मोबाइल बाज़ार में एक बार फिर हलचल मचाते हुए मोटोरोला एज 70 प्रो को भारत में लॉन्च किया गया है. यह स्मार्टफोन प्रीमियम सेगमेंट के यूज़र्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और कंपनी की एज 70 सीरीज़ को और मज़बूती देता है. इससे पहले कंपनी एज 70 और एज 70 फ्यूज़न भी पेश कर चुकी है, लेकिन नया मॉडल फीचर्स और परफॉर्मेंस के मामले में एक कदम आगे नजर आता है.

इस फोन की सबसे खास बात इसका दमदार डिज़ाइन और मजबूती है. इसमें आईपी68 और

आईपी69 रेटिंग दी गई है, जिसका मतलब है कि यह धूल और पानी से बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है. साथ ही इसमें मिलिट्री ग्रेड सर्टिफिकेशन भी दिया गया है, जिससे यह रोज़मर्रा के इस्तेमाल में अधिक टिकाऊ बनता है. यह फीचर उन यूज़र्स के लिए खास है जो अपने फोन को लंबे समय तक बिना चिंता के इस्तेमाल करना चाहते हैं.

डिस्प्ले की बात करें तो इस स्मार्टफोन में 6.8 इंच का 1.5के क्वाड-कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है. इसमें 144 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट सपोर्ट मिलता है, जो स्क्रोलिंग और गेमिंग को बेहद स्मूथ बनाता है. इसके अलावा 5,200 निट्स की पीक ब्राइटनेस इसे तेज धूप में भी साफ देखने लायक बनाती है. एचडीआर10 प्लस सपोर्ट के कारण वीडियो देखने का अनुभव भी शानदार हो जाता है. डिस्प्ले की सुरक्षा के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 7आई का इस्तेमाल किया गया है, जो स्क्रैच और गिरने से बचाव करता है.

कैमरा की बात करें तो इसमें सोनी सेंसर का इस्तेमाल किया गया है, जो फोटो और वीडियो क्वालिटी को बेहतर बनाता है. यह फीचर खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो मोबाइल फोटोग्राफी में रुचि रखते हैं .कुल मिलाकर, मोटोरोला एज 70 प्रो एक ऐसा स्मार्टफोन है जो डिज़ाइन, डिस्प्ले, मजबूती और परफॉर्मेंस का संतुलित मिश्रण पेश करता है. प्रीमियम यूज़र्स के लिए यह एक आकर्षक विकल्प बन सकता है, खासकर उनके लिए जो नए और एडवांस फीचर्स वाले डिवाइस की तलाश में हैं.